SA–03

December – Examination 2022

B.A. (Part II) Examination

SANSKRIT

(काव्य तथा संस्कृत साहित्य का इतिहास)

Paper : SA-03

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) पार्वती ने हिमालय की जिस चोटी पर तपस्या की, वह किस नाम से प्रसिद्ध हुई ?

   (ii) पार्वती ने तपस्या करते हुए करधनी के स्थान पर क्या धारण की ?

   (iii) रघुवंश में कुल कितने सर्ग हैं ?

(iv) राजा दिलीप को सिंह ने अपना क्या परिचय दिया ?

(v) माघ ने किस महाकाव्य की रचना की ?

(vi) दण्डी की गद्य रचना का नाम लिखिये।

(vii) महाभारत में कुल कितने पर्व हैं ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की हिन्दी भाषा में व्याख्या कीजिए :

(i) इयेष सा कर्तुमगन्ध्यरूपतां समाधिमास्थाय तपोभिरात्मनः।
अवाप्यते वा कथमन्यथा द्वयं तथाविधं प्रेम पतिश्च तादृशः॥

(ii) वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।
जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ॥

3. रघुवंश के द्वितीय सर्ग के आधार पर दिलीप व सिंह के मध्य हुये संवाद लिखिये।

4. कुमारसम्भवम् के पंचम सर्ग के आधार पर पार्वती की तपस्या का वर्णन कीजिये।

5. रामायण का काल निर्धारण कीजिए।

6. महाभारत के वैशिष्ट्य पर एक लेख लिखिये।

7. 'भारवेरर्थगौरवम्' के आधार पर एक लेख लिखिये।

8. दण्डी के पद लालित्य पर एक लेख लिखिये।

9. 'नवसर्गगते माघे नव शब्दो न विद्यते' के आधार पर माघ की भाषा-शैली पर एक लेख लिखिये।

खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. रघुवंश के द्वितीय सर्ग के आधार पर कालिदास के प्रकृति चित्रण पर एक लेख लिखिये।

11. कथा तथा आख्यायिका में क्या भेद है ? स्पष्ट कीजिए।

12. 'माघे सन्ति त्रयोगुणाः' उक्ति के आधार पर माघकाव्य में तीनों गुणों की समीक्षा कीजिये।

13. रामायणकालीन सामाजिक संस्कृति पर एक विस्तृत लेख लिखिये।